



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37] मई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 15, 1984 (भाद्रपद 24, 1906)  
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15, 1984 (BHADRA 24, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—बंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असाधिक वारेंटों के संबंध में अधिसूचनाएं

691

भाग I—बंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की विपुलितयों, परोक्षतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं

1179

भाग I—बंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असाधिक वारेंटों के संबंध में अधिसूचनाएं

—

... I—बंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की विपुलितयों, परोक्षतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं

1557

... II—बंड I—अधिनियम, अध्यादेश और वित्तियम्

\*

... II—बंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और वित्तियमों का हिली राशा में प्राविहृत पात्र

\*

II—बंड 2—विवेक तथा विवेकों पर प्रबर समितियों के विज्ञ तथा विवेक

\*

II—बंड 3—उप-बंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच वित्तिय लेनों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य साधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के वारेंट और अधिसूचियों आदि भी सामिल हैं)

2355

ग II—बंड 3—उप-बंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच वित्तिय लेनों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामिक वारेंट और अधिसूचनाएं

2725

भाग II—बंड 3—उप-बंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी सामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच वित्तिय लेनों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य साधिक नियमों और साधिक वारेंटों (जिनमें सामान्य स्वरूप की अधिसूचियों भी सामिल हैं) के हिली में प्राविहृत पात्र (ऐसे पात्रों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के बंड 3 या बंड 4 में प्रकाशित होते हैं) 181

भाग II—बंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए साधिक नियम और वारेंट

315

भाग III—बंड 1—उच्चतम व्यायालय, महालेला परोक्षक, संच लोक विवा वायोग, ऐसे प्रशासनों, उच्च व्यायालयों और भारत सरकार के संबंध और अधीकरण वारेंटों पर जारी की गई अधिसूचनाएं

21093

भाग III—बंड 2—रेटेन्ट वायोलेय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और वोटिस

769

भाग III—बंड 3—मुक्त वायुक्तों के प्राधिकार के अधीन विवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं

—

भाग III—बंड 4—विवेक अधिसूचनाएं जिनमें साधिक विकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विकायन और वोटिस सामिल हैं

2601

भाग IV—नीर-सरकारी अधिक और गैर-सरकारी नियमों द्वारा विकायन और सोलिस

131

भाग V—विवेकी और हिली लोनों में जाप और पृथ् वांक होने की विवारण वायुक्त

—

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त होती है।

—231 G I/84

## CONTENTS

	PAGES	PAGES
<b>PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..</b>	691	
<b>PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. ..</b>	1179	
<b>PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence .. ..</b>	—	
<b>PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .. .. ..</b>	1557	
<b>PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations .. .. ..</b>	*	
<b>PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations .. .. ..</b>	*	
<b>PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .. ..</b>	*	
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .. ..</b>	2353	
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .. ..</b>	2725	
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules &amp; Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)</b>		181
<b>PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .. ..</b>		315
<b>PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. ..</b>		21093
<b>PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .. ..</b>		769
<b>PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..</b>		—
<b>PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..</b>		2601
<b>PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. ..</b>		131
<b>PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc, both in English and Hindi ..</b>		—

## भाग I—खण्ड 1

### [PART I—SECTION 1]

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के अंकाराओं और उच्चतम न्यायालय द्वारा आरो को अई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकरणों से सम्बंधित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

#### राष्ट्रपति सचिवालय

नई विल्सी, दिनांक 30 अगस्त 1984

सं० ४७-प्र०/४—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित प्रधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक का भार सहूर्द प्रदान करते हैं—

प्रधिकारी का नाम तथा पद

श्री उमाशंकर बाजपेयी,  
पुलिस अधीक्षक,  
आसीन (उत्तर प्रदेश)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

23 मई, 1981, को श्री मंया सिंह, धाना प्रधिकारी कुयोर्ड को योद्धा सोहूर्द के जंगलों में मूराम्ब/मीरा ठाकुर के पिरोह की उत्पत्तियां की सूचना मिली। पिरोह की उत्पत्तियां का गोत्र धरना, धाना कुयोर्ड में पड़ा लगा। उन्होंने श्री धान स्वरूप रस्तीगी, धाना प्रधिकारी, आसीन, का पुलिस दल साथ लिया और उसका 10.30 बजे उक्त गांव में पहुंचे। जब ये दोनों प्रधिकारी किसी डाकू को बचकर भायने से रोकने के लिए चोरा निर्धारित करने की प्रक्रिया में संगेथे, तो डाकुओं ने उन पर गोलियों की बोलाव कर दी। सौभाग्यवत्त वे बच गए। और बचकर भाग निकलने के रास्ते रोकने की व्यवस्था सफलतापूर्वक की। श्री गंगा सिंह ने इस घेरावदी के बारे में श्री उमाशंकर बाजपेयी को सूचना दी और उसके कुमुक भेजने का अनुरोध किया। श्री बाजपेयी प्रतिरक्षित बल के साथ तुरन्त गोत्र धरना की ओर गए और रास्ते में ग्रार०/टी० सेट पर ग्रन्थ धाना प्रधिकारियों को सतक किया कि वे बठनास्पत की ओर बढ़े। उन्होंने बल का नियंत्रण संभाला और सामरिक महाव स्थलों पर अधिकारी/जावाल तैनात किये।

श्री बाजपेयी ने डाकुओं को समर्पण करने के लिए लक्षकारा परन्तु डाकू गोलियों बलाते रहे। उन्होंने ग्रन्थ पुलिस अधिकारियों के साथ भारत रक्षा के लिए डाकुओं पर गोलियों बलाई। वे रेंग कर गांगे बढ़े और मिट्टी की एक छोटी सी धीवार के पीछे मोर्चा संभाला जहां से वे डाकुओं पर प्रभावकारी टंग से गोली चला सकते थे। श्री धान स्वरूप रस्तीगी को ग्रन्थ पुलिस कार्रियरों को साथ घोकारा सिंह के मकान की छां पर मोर्चा संभालने के लिए तैनात किया गया जहां से गुट्ट के मकान की पहासे मंजिल पर डाकुओं पर प्रभावी गोलीबारी की जा सके। गोलीबारी होती रही और अन्ततः एक बहादुर कास्टेल विश्वनाथ सिंह के बलिदान के बाद विरजे नामक डाकू मारा गया।

इसके बाद श्री बाजपेयी ने डाकुओं को भारी बधाव में रखा। वे रेंग कर गांगे बढ़े और गुट्ट के मकान के पूर्व में मोर्चा संभाला। वे एक हीड़ कास्टेल और एक कास्टेल के साथ मकान की छां पर चढ़ गए, इसमें एक सुराख किया और मकान के अन्दर भार राइफल ब्रेनेड डाले। श्री बाजपेयी नीचे धा गए और मिट्टी की नीची धीवार के पीछे मोर्चा संभाला। वे और उनका दल डाकुओं पर भारी गोलीबारी करने रहे। लगभग ग्रांड थंडे तक घमासान लड़ाई होती रही। शेष सभी धान डाकुओं का मकान कर दिया गया। एक और डाकू अपना मोर्चा बदलने में सफल ही गया और हरी बाबू के मकान में शरण ले ली। श्री बाजपेयी ने वेल के कुछ अन्य सदस्यों के साथ कमरे के दरवाजे पर बिल्कुल नजदीक मोर्चा संभाला जहां से डाकू गोली चला रहा था। मकान

में दो राइफल ब्रेनेड के गए। डाकू भी बताता हुआ सुना गया और उसमें पीछे के दरवाजे से बचकर भायने की कोशिश की। दरवाजे के पास तैनात पुलिस दल डाकू तुग्गी कोरी को मारने में सफल हुआ। इस प्रकार मूराम्ब/मीरा ठाकुर के सारे पिरोह और उसके नेता का सफलता कर दिया गया।

इस मुठभेड़ में श्री उमाशंकर बाजपेयी, पुलिस अधीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहम, नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा छलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृता भवा भी दिनांक 23 मई, 1981, से दिया जाएगा।

मु० नीलकण्ठ,  
राष्ट्रपति का उप सचिव

#### योजना मंत्रालय

##### गांधीकी विभाग

नई विल्सी—110001, दिनांक 22 अगस्त 1984

म० एम०-13016/12/84—मनन्वय—भारत सरकार मूल्य एवं निवाह सागत सांचियकी विषय के नियमित्रित संस्थाओं को नहीं जाना सहायता करने का विनायक का विनायक करने हैं—

##### 1. महानिवेशक

केन्द्रीय सांचियकीय संगठन  
सांचियकी विभाग,  
सरदार पटेल भवन, संसद मार्ग  
नई विल्सी—110001।

प्रभृति

##### 2. सनाहकार,

रोजगार, एवं जनशक्ति योजना  
योजना ग्रामीण, योजना भवन,  
कमरा सं० 208, संसद मार्ग,  
नई विल्सी—110001।

सदृश्य

##### 3. आर्थिक एवं सांचियकीय सलाहकार,

कृषि एवं सिवार्ध संवालय,  
कमरा सं० 152, कृषि भवन,  
नई विल्सी—110001।

सदृश्य

##### 4. आर्थिक सलाहकार,

वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग,  
कमरा सं० 39, नार्वे भवान  
नई विल्सी—110001।

सदृश्य

##### 5. आर्थिक सलाहकार,

उद्योग मंत्रालय,  
कमरा सं० 244, उद्योग भवन  
नई विल्सी—110011।

सदृश्य

6. सलाहकार, मोदिक नीति विकास (एम० पी० श०) योजना आयोग, योजना भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001।	सदस्य	17. संयुक्त निदेशक, (इच्छां पी० सी० एल० प्रभाग), केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी विभाग, सरदार पटेल भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001।	सदस्य सचिव
7. सदस्य-सचिव कृषि मूल्य आयोग, कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय कृषि विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001।	सदस्य	2. राज्य सरकार के प्रतिनिधि तथा परिवद सदस्य 1 फरवरी, 1984 से 2 वर्षों की अवधि के लिए समिति में कार्य करेंगे।	
8. मुख्य कार्यकारी अधिकारी राष्ट्रीय प्रतिवर्षी सर्वेक्षण संगठन, सांख्यिकी विभाग, सरदार पटेल भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-1110001।	सदस्य	3. पुनर्गठित समिति के कार्य निम्नलिखित होंगे :— (क) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों अथवा संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा पारिवारिक बजट संबंधी पूछताल के लिए प्रस्तावों की समीक्षा,	
9. निदेशक क्षेत्र संकाय प्रभाग राष्ट्रीय प्रतिवर्षी सर्वेक्षण संगठन सांख्यिकी विभाग, बेस्ट ब्लॉक सं० 8, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110066।	सदस्य	(ख) उपभोक्ता मूल्य तथा तुलनात्मक मंहगाई सूचकांक तैयार करने के लिए केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों अथवा संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा तैयार की गई स्कीमों की समीक्षा तथा इससे संबंधित विशेष समस्याएं जिसमें अखिल भारत तथा राज्य स्तरीय सूचकांकों संबंधी समस्याएं भी हैं,	
10. निदेशक, सर्वेक्षण अभियाल्य एवं अनुसंधान प्रभाग, राष्ट्रीय प्रतिवर्षी सर्वेक्षण संगठन, 25-ए ऐक्सप्रीसर, सरणि, कलकत्ता-700017।	सदस्य	(ग) संकल्पनामों, परिभाषामों, कीमत संग्रह संबंधी प्रणालियों में सुधार तथा मानकीकरण और उपभोक्ता मूल्य तथा तुलनात्मक मंहगाई संबंधी सूचकांकों का संकलन,	
11. निदेशक श्रम अंगूरी, श्रम मंत्रालय “कलियरेमोट” शिमला-171004।	सदस्य	(घ) योक कीमतों, फुटकर कीमतों और उत्पादनकर्ता संबंधी कीमतों तथा अन्य मूल्य सूचकांकों को तैयार करने के लिए केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों अथवा संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा तैयार की गई स्कीमों की समीक्षा और अखिल भारतीय एवं राज्य स्तर सूचकांकों संबंधी समस्याओं को सम्मिलित करते हुए उनसे संबंधित विशेष समस्याओं की समीक्षा,	
12. मुख्य सलाहकार रिजर्व बैंक भारत इंडिया सांख्यिकीय विवेषण एवं संगणक विभाग, डा० ऐन बेसेंट रोड, पो० बा० न० 16804, बरली बम्हाई-400018।	सदस्य	(ङ) संकल्पनामों, परिभाषामों, मूल्य संग्रह की प्रणालियों में सुधार तथा मानकीकरण और थाक, फुटकर उत्पादनकर्ता एवं अन्य मूल्य संबंधी सूचकांकों का संकलन जिसमें प्रत्येक प्रकार के सूचकांकों के सम्बुद्धि भारतोत्तन प्रणालियों सम्मिलित हैं,	
13. निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, कन्टिक भवन, डा० श० भा० ००० आर० अम्बेदकर विधि, बंगलोर-560001।	सदस्य	(च) मूल्य सांख्यिकी के संग्रहण, संकलन और प्रसार को समेकित प्रणाली को तरक्की बनाने और विकसित करने के विचार से संगठनात्मक व्यवस्था तथा मूल्य संग्रह संबंधी तंत्र की समीक्षा।	
14. निदेशक, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन निदेशालय, बिहार सरकार, बेरक-17, झोलू लेटोरेट, 6, मेंगलेस रोड पटना-800015।	सदस्य	4. समिति को संचिवालीय सहायता केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी विभाग द्वारा प्रदान की जायेगी।	
15. आर्थिक सलाहकार, आर्थिक एवं सांख्यिकीय संगठन, पंजाब सरकार, शाप-कम-पैटैट 35 व 36 सेक्टर-17, चंडीगढ़-160017।	सदस्य	5. मूल्य एवं निवांह लागत सांख्यिकी संबंधी तकनीकी मताहकार समिति की बैठक में शामिल होने के लिए गैर-कर्मचारियों के यात्रा भत्ता/मंहगाई भत्ता का अवधि सामान्य नियमों के अनुरूप सांख्यिकी विभाग द्वारा बहन किया जाएगा।	
16. प्रो० के० कृष्णस्थामी,   आर्थिक विकास संस्थान, यूनिवर्स्टी एक्सेल,   दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली-110007।	सदस्य	मुकुल राय, बवर सचिव	

गृह मंत्रालय  
कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग  
नई दिल्ली

लिपिक श्रेणी परीक्षा (समूह “ध” कर्मचारियों के लिए), 1984  
नियम

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 मितम्बर 1984

सं० 9/2/84-के० से०-॥—केन्द्रीय सचिवालय निर्वित ने रा. नगर सेना भुड़पालय लिपिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा शास्त्रा (श) के ग्रेड-VI के अवर श्रेणी, संसदीय कार्य विभाग में प्रवर श्रेणी लिपिक के पदों में नियमित रूप से नियुक्त ग्रुप “ध” कर्मचारियों के लिए ग्रारंभित अस्थायी रिक्तियों को भरने के प्रयोजन से, गृह मंत्रालय में कार्मिक और प्रशासनिक

सुधार विभाग, नई दिल्ली के कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सन् 1984 में ली जाने वाली अर्हक परीक्षा के नियम संवितारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

जो उम्मीदवार परीक्षा में प्रविष्ट किए जाएंगे वे निम्नलिखित सेवाओं की रिक्तियों के पास होंगे:—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, यदि वे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालय/कार्यालय में कार्य कर रहे हैं,
- (ii) संस्कृत सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, यदि वे संस्कृत सेना मुख्यालय तथा प्रत्यक्ष सेवा संगठनों में नियुक्त हैं,
- (iii) भारतीय विवेश सेवा (छ) का ब्रेड-VI यदि वे विवेश मंत्रालय या विवेशों में इसके दूतावासों में नियुक्त हैं, और
- (iv) संसदीय कार्य विभाग में भवर श्रेणी लिपिक के पदों में।

2. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरो जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी की जाने वाली विज्ञप्ति में निर्दिष्ट की जाएगी,

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन हन नियमों के परिषिष्ट में विहित विधि से किया जाएगा। किस तारीख और किस/किन स्थान/स्थानों पर परीक्षा की जाएगी इसका निश्चय आयोग द्वारा किया जाएगा।

4. कोई भी स्थायी प्रथा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी युप “ध” कर्मचारी जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो परीक्षा में बैठने का पात्र होगा:—

1. सेवा ग्रन्थिः: उसने (1) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में प्रथवा (ii) संस्कृत सेना मुख्यालय और/प्रथवा अन्तर सेवा संगठनों प्रथवा (iii) विवेश मंत्रालय प्रथवा विवेशों में इसके दूतावासों प्रथवा (iv) संसदीय कार्य विभाग में भवर श्रेणी लिपिक के पदों में युप “ध” कर्मचारी के रूप में प्रथवा किसी उच्चतर ब्रेड में 1 अगस्त, 1984 को कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की हो।

टिप्पणी 1: 5 वर्ष की अनुमोदित एवं लगातार सेवा की सीमा तभी लागू होगी, यदि उम्मीदवार की कुल गिनती की जाने वाली सेवा आंशिक रूप में केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी मंत्रालय प्रथवा किसी कार्यालय में प्रथवा “संस्कृत सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले कार्यालय में युप “ध” कर्मचारी के रूप में और आंशिक रूप से प्रथवा उसके समकक्ष या उच्चतर ब्रेड या विवेश मंत्रालय में और विवेशों में इसके दूतावासों प्रथवा संसदीय कार्य विभाग में युप “ध” कर्मचारी के रूप में हों।

टिप्पणी 2: जो युप “ध” कर्मचारी, सकाम-प्राधिकारी के अनुमोदन से संबंध-बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्त पर है, वे अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे, जो युप “ध” कर्मचारी संबंध-बाह्य पद पर नियुक्त किया गया है प्रथवा स्थानान्तरण पर अन्य सेवा में है और फिलहाल युप “ध” के पद पर उसका अहमाधिकार बना हुआ है वह भी अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने का पात्र है।

II आयुः: अह 1 अगस्त, 1984 को 50 वर्ष की आयु से अधिक का नहीं होना चाहिए अर्थात् 2 अगस्त, 1934 से पहले उसका जन्म न हुआ हो। यदि उम्मीदवार अनुसूचित जागि प्रथवा अनुसूचित आदिम जागि का है तो उपर्युक्त निर्धारित आयु-सीमा में अधिक से अधिक 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है।

अपर बताई गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु-सीमा में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

3. शैक्षणिक भारत में केन्द्रीय प्रथवा राज्य विधान मंडल के किसी अहंता, प्रधानियम द्वारा नियमित किसी विष्वविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा प्रथवा माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय के प्रत में किसी राज्य प्रिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण-पत्र जो राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए मौद्रिक प्रमाण-पत्र के बदला माना जाता है, वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा प्रवध्य पास की होनी चाहिए।

टिप्पणी 1: यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसके पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी अर्हक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा है, वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी 2: कुछ विशिष्ट भारतीयों में जहां कि उम्मीदवार के पास उसके नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशत कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए योग्यता है।

5. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अनितम होगा।

6. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र (संटिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

7. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए घोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने:—

- (i) किसी भी प्रकार से आरोगी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है,
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, प्रथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, प्रथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे बत्त्वाद्य विए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, प्रथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित प्रथवा अनुचित उपयोग का सहारा लिया है, प्रथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, प्रथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, प्रथवा
- (ix) उपर्युक्त बातों में उल्लिखित सभी प्रथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवधिरित करने का प्रयत्न किया है तो

उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बठने के लिए आयोग ठहराया जा सकता है, प्रथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से प्रथवा एक विशेष अधिक के लिए:—

- (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा प्रथवा जागि के लिए,
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुसारनिकि कार्यवाही की जा सकती है।

8. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो, उसे उक्त परीक्षा में बैठने के लिए आयोग घायित किया जा सकता है।

9. परीक्षा के बाद आयोग प्रत्येक संवंधित संबंध में प्राधिकारी को इस परीक्षा में आगे लेने वाले उन उम्मीदवारों के नामों की अलग से सिफारिश करेगा जो आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए अचूक मानक प्राप्त करेंगे। संबंध में प्राधिकारी अपने द्वारा इस संबंध में बनाए गए नियमों/विविधियों के अनुसार भर्ती जाने वाली नियुक्ति की गई रिकित्यों पर उनकी नियुक्ति करने के क्रम उठायें।

10. उम्मीदवार की मानसिक और गारीरिक वृद्धि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा गारीरिक वोश नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के प्राधिकारों के रूप में अपने कर्तव्यों की कुशलतापूर्वक विभाने में बाधक हो। यदि सभी प्राधिकारी द्वारा विवित विकित्सा परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह भाव तुष्टा कि वह इस परीक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उक्त उम्मीदवारों की विकित्सा परीक्षा की जाएगी जिनके बारे में नियुक्ति के लिए विवार किए जाने की संभावना हो।

टिप्पणी:—विकलांग भूतपूर्व रक्त सेवाओं के कामिकों के मामले में रक्त सेवाओं के सैन्य-विषय के लिए विकित्सा—बोर्ड द्वारा दिया गया स्वास्थ्या प्रमाण-पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

11. इस परिणाम के आधार पर कोई जाने वाली सभी नियुक्तियों के काम एक शर्त यह होगी कि यदि उम्मीदवार ने संविवाक्षय प्रणिकाय स्कूल अध्यवा संचियालय प्रणिकाय तथा प्रबन्ध संस्थान अध्यवा अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा सी गई अंग्रेजी या हिन्दी की कोई मात्रावी टैक्ष्य परीक्षा पहले ही पास की हो सो यह नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा विविट्प्राधिकारी द्वारा संचालित अंग्रेजी में 30 प्रति अध्यवा हिन्दी में 25 प्रति प्रति मिनट की व्युत्तम गति से ऐसी परीक्षा पास करेगा। ऐसा न करने पर अब तक वह परीक्षा पास नहीं कर सकता तब तक उसे वार्षिक बैठन वृद्धि (वृद्धिया) नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा की अवधि में उक्त परीक्षा पास नहीं कर सकता तो उसे प्रबन्ध अंग्रेजी लिपिक बोर्ड में नियुक्त करने से पूर्व मूल नियुक्ति पर अध्यवा स्वास्थ्याधीन पत्र पर लोटा दिया जाएगा।

टिप्पणी:—परीक्षा के परिणाम के आधार पर उम्मीदवार से उपर्युक्त निर्धारित आधार पर टंकण परीक्षा पहले ही पास की हो या जो अपनी नियुक्ति के 6 मास के भीतर टंकण परीक्षा पास कर लेगा उसे पहली बैठन वृद्धि एक वर्ष के बजाए छः महीने के बावही दी जाएगी, परन्तु बाद में नियुक्ति बैठन वृद्धियों में समाविष्ट कर दिया जाएगा।

12. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश के लिए प्रावेदन-पत्र भेजने के बाद अध्यवा परीक्षा में बैठने के बावही अपने पूर्ण (प) की नियुक्ति से त्याग-पत्र देता है अध्यवा/प्रीर किसी कारण वश नीकरी छोड़ देता है अध्यवा उससे व संबंध-विच्छेद कर लेता है अध्यवा उसकी सेवा उसके विवाह द्वारा समाप्त कर दी जाती है अध्यवा वह किसी संवर्ग-वाह्य पत्र पर अध्यवा किसी अन्य सेवा में स्थानान्तरण-पर नियुक्त हो जाता है प्रीर पूर्ण (प) पत्र पर उसका पुनः प्रहृणाधिकार नहीं रहता है, तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उस प्रप्त “प” कर्मचारी के मामले में लागू नहीं होगी, जो सभी प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग-वाह्य पत्र पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

एक० जी० मंडल, प्रबन्ध सचिव,

### परिशिष्ट

परीक्षा भिन्न योजना के अनुसार होगी :—

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्र सं०	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
I.	लघु निवन्ध	100	1½ घंटा
II.	सामान्य अंग्रेजी	50	1 घंटा
III.	भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान	50	1 घंटा

2. परीक्षा का पाद्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में बताया जाया है।

3. उम्मीदवारों को सूची होगी कि वे प्रश्न-पत्र I या प्रश्न-पत्र III या दोनों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि) में किसी में दें। प्रश्न-पत्र II के उत्तर सब उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए।

टिप्पणी—1 प्रश्न-पत्र III में कूप पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगी, इस प्रश्न-पत्र के प्रश्न-पत्रों के लिए नहीं।

टिप्पणी—2 उपर्युक्त परीक्षा के प्रश्न पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने के अचूक उम्मीदवारों को अपना इरादा अवेदन पत्र में स्पष्टत: लिख देना चाहिए अर्थात् यह समझा जाएगा कि वे प्रश्न पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में दें।

टिप्पणी—3 एक बार चुना हुआ विकल्प अस्तित्व होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई प्रबुरोध सामाजिकता स्थीकार नहीं होगा।

टिप्पणी—4 उम्मीदवार द्वारा चुनी गई भाषा के सिद्धाय किसी प्रति भाषा में उत्तर देने पर कोई अंग्रेज नहीं दिए जाएंगे।

4. उम्मीदवारों को भी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी ... हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए प्रत्यन्य अवक्षित की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों पर अंक (क्षात्रियांग) अंक निर्धारित कर सकता है।

6. केवल लिखे जाने के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. प्रस्तुति लिखावट के लिए पूर्णांक के 5 प्रतिशत तक अंक का लिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में आवश्यकनानुसार कम से कम शब्दों में कमबढ़ तथा प्रभावपूर्ण इंग से और ठीक-ठीक की गई अभिधर्मित के लिए अंक दिए जाएंगे।

### अनुसूची

### प्रश्न-पत्र

प्रश्न-पत्र—I लघु निवन्ध—दिए गए कई विषयों में से किसी एक पर लिखना होगा।

प्रश्न-पत्र—II—सामान्य अंग्रेजी—उम्मीदवारों की साधारण बंध-रचना, हारिक अकारण तथा प्रारम्भिक सारणी (अंकड़ों की संकलित करने तथा सारणी रूप में उन्हें अवस्थित और प्रस्तुत करने कला में उम्मीदवारों की योग्यता जांचने लिए) में परीक्षा दी जाएगी।

## 1 खण्ड—III भारत के भूगोल सहित सामाजिक जाति :

सामाजिक बहनाओं द्वारा प्रतिष्ठित दृष्टि गोपन  
होने वाले ऐसे विवरों की जानकारी तथा  
उनके वैज्ञानिक पक्षों को अनुभव, जिनकी  
जिसी ऐसे विवित व्यक्ति से, जिसने जिसी  
वैज्ञानिक विवरण का विवेष अध्ययन न किया हो,  
जाया की जा नवाली है। इस वक्त में भारत के  
भूगोल से संबंधित प्रकल्प भी निम्नलिखित होंगे।

## विस्तृत भौतिक विवरण

## (राजस्व विभाग)

## भूप्रयोग कर भ्रमण

## वैज्ञानिक सूचना

सं० प्रतिभवायाची/सा० त० १५/८४—सीमानुस्तुत तथा केन्द्रीय उत्पादन  
तात्कालिक २५ अगस्त, १९७१ में प्रकाशित अधिकृतमा सं० ५२/का० सं० ८०/८०२/२/७०—प्र० अ०) के नियम ४ के अधीन, केन्द्रीय उत्पादन वैज्ञानिक  
जना सं० प्रतिभवायाची/सा० मू० १२/८४, विनांक १ जून १९८४ में  
प्रकाशित भारती में यात्रावार्ता विन्मत्तिवित संयोगन करती है:—

उपक्रमांक २६३४ और इससे संबंधित प्रतिष्ठितों के संस्थान पर  
निम्नलिखित प्रतिभवायाची किया जाएगा:—

उप क्रमांक	माल का विवरण	प्रतिभवायाची की दर	विवरण		
			सी० रु०	के० रु०	रु०
१	२	३	४	५	६
२६३४	कार्बनीकृत कैबिनेट	(१) पोलिएस्टर तत्त्व प्रस्तुति वंस्तु पर ४४.०० रु० (केबल (कॉर्नीलीम इपोमे) प्रति किलो- ग्राम जना	२ ५०	४१.५०	
	(२) अहो उत्पादन वैज्ञान- तया सूत रेजित हो/ वीस रेजित हो/ प्रिटेड हो/ वैजिकोल रेजित हो, अहो निर्माण उत्पादन प्रति किलोग्राम पर १/- रु० (केबल एक रुपवा)	सम्पूर्ण केन्द्रीय उत्पादन शुल्क			
	(३) अमा	विस कोरे वैज्ञानिक है कार्बनीकृत वैज्ञानिक का विवरण किया जाता है, इसके विवरण में अप्रत्यक्ष सूत के प्रति किलो ग्राम पर अमा किए गए शुल्क उत्पादन शुल्क (विवरों द्वारा उपलब्ध कर्ता वाले विवरण नहीं है) का १०४ प्रतिशत (केबल एक जीव वाले प्रतिशत)	सम्पूर्ण केन्द्रीय उत्पादन शुल्क		
		जना			

1 2 3 4 5

(४) अम्य तत्त्व प्रस्तुति  
जहाँ कोरे वैज्ञानिक में  
जिसमें से कार्बनी-  
कृत वैज्ञानिक का  
निर्माण किया गया  
हो (सूती तथा पो-  
लिएस्टर से जिन  
तत्त्व समाहित हो,  
अहो पर कोरे वैज्ञानिक  
में ऐसे तत्त्व पर प्रति  
भवायाची की  
अवायाची, प्रतिभवा-  
याची अमुखी की  
कम० सं० २६ की  
संगत उपक्रमांक  
के अनुसार उचित  
हर पर की जाएगी।

उपर्युक्त (३) और (४) की भवायाची के प्रयोजनार्थ नियतिकर्ता  
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के जिसी अविकारी से, जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क  
के अधीक्षक के घोषणे से नीचे का नहीं हो, निम्नलिखित के संबंध में  
साक्ष प्रस्तुत करेगा:—

(क) संगत कोरे वैज्ञानिक में (पोलिएस्टर और सूती तत्त्व प्रस्तुति  
से जिन) (शुल्क तत्त्व प्रस्तुति) और

(ब) संगत कोरे वैज्ञानिक में करते हुए और/प्रथम किलोमेंट सूत  
प्रस्तुति की शुल्क जाता वह जाता अलग-अलग जीवी है।

विषयी: करते हुए सूत प्रस्तुति पर प्रतिभवायाची की भवायाची  
सहायक समाज्वार्ता के समाज्वानप्रव रूप में यह साक्ष पेश करते पर  
की जाएगी कि सूत के नियमों परे सूत पर विना विरोध के  
उचित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क की भवायाची कर दी जाए है।  
यह लार्जेंजिक सूचना १ जून, १९८४ से लागू हुई जाएगी।

ज० गोपीनाथ, अध्यक्ष सचिव

## इस्पात और जान भौतिक विवरण

## (इस्पात विभाग)

नई विनांक १८ अगस्त १९८४

## संकल्प

सं० १०-११०१५(५)/८४—हिन्दी (.)—यह जीताता किया गया है  
कि इस्पात और जान भौतिक विवरण के विनांक १८ अगस्त, १९८१ के संकल्प  
संभा० १०-११०१५(२)/८०—हिन्दी तथा १५ जून, १९८४ के संकल्प संभा०  
१०-११०१५(५)/८४—हिन्दी द्वारा गठित इस्पात और जान भौतिक विवरण की  
हिन्दी संलाहकार समिति में सा० राम मनोहर त्रिपाठी, ५६१, ग्र० मिन० रोड,  
कुरुक्षेत्र भी सम्मिलित होंगे।

## धारेश

धारेश विना जाता है कि इस प्रस्ताव की प्रति सभी राज्य सरकारों  
और संबंधी राज्य प्रवैश के प्रशासकों, प्रशासनमंत्री का कार्यालय, मंत्रिमंडल  
मंत्रिमंडल, संसद विभाग, लोकसभा सचिवालय, राज्यसभा सचिवालय,  
मोजना आदीय, राज्यपरिषत् सचिवालय, भारत के महानीवालादार, केन्द्रीय राजस्व  
और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभायों को जीवी जाए।

यह भी आदेश दिया जाए है कि संकल्प को मर्यादाधारण की जातकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

मर्जुन कुमार अप्रवाल, संयुक्त सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, विनांक 31 जुलाई 1984

संकल्प

सं 28-III/84-एल० धार० सी०—गण्डीय भूमि बोड० संथा राष्ट्रीय भूमि संसाधन संरक्षण तथा विकास आयोग की स्थापना के संबंध में भारत सरकार के विनांक 28 फरवरी, 1983 के संकल्प संख्या 28-2/80-एम० सी० (टी०) के आधिक संशोधन में पैरा 3(1) (5) के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए:—

ग्रन्थालय, राष्ट्रीय पर्यावरण सलाहकार समिति

सदस्य

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति संवै संबंधित को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० पी० मुखर्जी, सचिव

पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय

नई दिल्ली, विनांक 25 मार्च 1984

संकल्प

सं ६०-११०११/९/८३—हिन्दी—भारत सरकार, पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय ने इस मंत्रालय के कार्यक्षेत्र में आगे बाले विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तकें लिखने के लिए लेखकों को प्रोत्साहन देने के लिए पुरस्कार योजना आरम्भ करने का निर्णय किया है। इस पुरस्कार योजना की मुख्य-मुख्य बातें इस प्रकार हैं:—

१. योजना का नाम:

इस योजना को पर्यटन, नागर विभाग, भौतिक विज्ञान तथा होटल उद्योग और प्रबंध आदि विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तक लेखन प्रोत्साहन योजना कहा जाएगा।

२. उद्देश्य :

भारत में इस मंत्रालय के चार प्रमुख विषयों (1) पर्यटन, (2) नागर विभाग, (3) भौतिक विज्ञान, तथा (4) होटल उद्योग और प्रबंध का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। लोगों के जीवन-स्तर को उन्नत करने में और देश की अर्थ-व्यवस्था में इन विषयों की बहुत बड़ी भूमिका है। वेश के कई विशेष-विद्यालयों और ग्रन्थालय-मन्दिर-संग्रहालयों में भी स्नानक और उच्च स्तरों पर इन विषयों के अध्ययन के लिए पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उपर्युक्त चार विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तक लेखकों को प्रोत्साहन देना है। इस योजना में उपर्युक्त चार विषयों पर हिन्दी में लिखी गई भाषक मौलिक पुस्तकों के लिए उनके लेखकों को वापिस पुरस्कार देने की व्यवस्था है।

इसमें विनिर्दिष्ट विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तकें लिखवाने के लिए उपर्युक्त व्यक्तियों के बचत की भी व्यवस्था है।

३. पुरस्कारों की राशि :

(1) मंत्रालय के पर प्रमुख विषयों, अर्थात् (1) पर्यटन, (2) नागर विभाग, (3) भौतिक विज्ञान, तथा (4) होटल उद्योग और प्रबंध में से हरेक विषय के लिए प्रालग-प्रालग दो-दो वापिस नकद पुरस्कार दिये जाएं।

मौलिक हिन्दी साहित्य पुस्तक पुरस्कार योजना के प्रतीक्षित उपर्युक्त चार विषयों के लिए इन पुरस्कारों की राशि निम्नलिखित होगी:—

(1) पहला पुरस्कार	.	.	5,000 रुपए
(2) दूसरा पुरस्कार	.	.	3,000 रुपए

उपर्युक्त चारों विषयों पर हिन्दी में लिखी गई मौलिक पुस्तकों के लेखकों को नीचे पैरा 5 के अनुसार बनाई गई मूल्यांकन समिति द्वारा सबसे अच्छी भाषी गई पुस्तकों पर उल्लेखन के क्रम से भारत सरकार द्वारा पुरस्कार दिये जाएंगे।

(2) इसके अलावा पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय यदि जाहे तो मूल्यांकन समिति के परामर्श से प्रतिष्ठित लेखकों को उपर्युक्त विषयों पर हिन्दी में पुस्तकें लिखवाने का कार्य सौंप सकता है और ऐसे मामलों में मूल्यांकन समिति द्वारा यथानुमोदित परिश्रमिक विषय जाएगा जो पहले पुरस्कार अर्थात् 5,000 रुपए से अधिक नहीं होगा।

४. योजना की मुख्य-मुख्य बातें :

(1) उपर्युक्त मौलिक हिन्दी साहित्य पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय द्वारा लागू की जाएगी। यह वर्ष 1984 से लागू होगी और इसके अंतर्गत हरेक कैलेंडर वर्ष में पुरस्कार दिये जाएंगे।

(2) कैलेंडर वर्ष में प्रस्तुत की गई पुस्तकों पर इस योजना के प्रधीन पुरस्कार देने के उद्देश से पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय द्वारा (पैरा 5 के अनुसार) बनाई गई मूल्यांकन समिति द्वारा विचार किया जाएगा।

(3) उपर्युक्त विषयों पर केवल उच्च स्तर की हिन्दी में लिखी मौलिक पुस्तकों पर ही पुरस्कार देने के उद्देश से पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय द्वारा (पैरा 5 के अनुसार) बनाई गई मूल्यांकन समिति द्वारा विचार किया जाएगा।

(4) पुरस्कार के लिए स्वीकृत पुस्तकों/पाइलिंपिकों के कापी राइट इनके लेखकों के पास रहेंगे।

(5) किसी लेखक को एक कैलेंडर वर्ष में एक से अधिक पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।

(6) यदि पुरस्कार के लिए कुनी गई पुस्तक/पाइलिंपि के एक से अधिक सेक्षक हों तो पुरस्कार की राशि को सह-लेखकों में बराबर-बराबर बांट दिया जाएगा।

(7) मूल्यांकन समिति के विचार के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रत्येक पुस्तक/पाइलिंपि के साथ लेखकों द्वारा पूरी तरह से भरा हुआ और हस्ताक्षर किया हुआ प्रवेश-पत्र अवश्य ही साथ में लगाया जाएगा और मंत्रालय द्वारा निर्धारित तारीख तक मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाएगा।

(8) मंत्रालय द्वारा उपर्युक्त विषयों पर हिन्दी में मौलिक साहित्य/पुस्तक लिखवाए जाने की स्थिति में यह विशेष कार्य सौंपने के लिए मंत्रालय लेखक के साथ एक करार करेगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि यह कार्य निर्धारित समय के भीतर पूरा हो जाएगा। असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर एक बार निर्धारित की गई अवधि को और आगे महीने बढ़ाया जाएगा। यह कार्य उपर्युक्त स्तर का न पाए जाने पर मंत्रालय को यह अधिकार होगा कि वह एक पक्षीय आषाढ़ार पर उक्त करार को रद्द कर दे और इस एक पक्षीय निर्णय के विरुद्ध कोई दावा महीने किया जा सकेगा।

(9) उपर्युक्त विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तकें लिखवाने के लिए जब किसी लेखक को विशेष कार्य दिया जाएगा तो पाइलिंपि का मूल्यांकन और अनुमोदन करने के बाद मूल्यांकन समिति लेखक को पुस्तक प्रकाशित कराने की अनुमति दे सकेगी और यदि उक्त रवाना लेखक की सहमति से मंत्रालय द्वारा प्रकाशित कराई जाएगी तो कापी राइट मंत्रालय का रहेगा और प्रकाशित पुस्तक की कम से कम कितनी प्रतियाँ मंत्रालय द्वारा बरीची जाए—इस बात की मूल्यांकन समिति तय करेगी।

(10) इस मंत्रालय द्वारा उपर्युक्त पुरस्कार दिए जाने के लिए प्रधिकारी और हिन्दी के प्रमुख समाजार पत्रों में नोटिस देकर लेखकों से आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाएंगे। यद्य मंत्रालय अपने और से किसी भी उपर्युक्त समझी जाने वाली पुस्तक को पुरस्कार के लिए विचारणा शामिल कर सकता।

(11) यदि इस पुरस्कार योजना में शामिल किसी मौलिक पुस्तक को किसी आय योजना के अन्तर्गत पुरस्कार मिल नुका हो तो लेखक को इस मंत्रालय को भेजे जाने वाले आवेदन-पत्र में इस बात का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए।

(12) कोई भी लेखक पुरस्कार के लिए एक से अधिक पुस्तक/पाठ्यलिपि भेज सकता है, परन्तु कोई भी लेखक एक कल्पना वर्ष की अवधि में इस योजना के अन्तर्गत एक में अधिक पुरस्कार का हक्कार नहीं होगा।

(13) यदि कोई भी पुस्तक/पाठ्यलिपि पुरस्कार (पुरस्कारों) के लिए उपर्युक्त नहीं पाई जाती तो पुरस्कार (पुरस्कारों) को इस मंत्रालय द्वारा रोक लिया जाएगा।

(14) पुरस्कार इस मंत्रालय द्वारा विशेष रूप में आयोजित ममार्गे हैं में या अर्थ किसी उपर्युक्त अवसर पर दिए जाएंगे।

#### 5 मूल्यांकन समिति

(1) इस योजना के अधीन पुरस्कार देने के उद्देश से पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में संबंधित विषयों, अधर्ता (1) पर्यटन, (2) नागर विमानन, (3) मौसम विज्ञान, तथा (4) होटल उद्योग और प्रबंधन पर हिन्दी में मबसे अच्छी पुस्तकों/पाठ्यलिपियों के चयन और मूल्यांकन के लिए इस मंत्रालय के अधीन एक मूल्यांकन समिति होगी जो उपर्युक्त चार विषयों के लिए अलग-अलग उप समितियों के रूप में काम करेगी— (1) पर्यटन माहित्य मूल्यांकन उप समिति, (2) नागर विमानन माहित्य मूल्यांकन समिति, (3) मौसम विज्ञान माहित्य मूल्यांकन उप समिति, तथा (4) होटल उद्योग और प्रबंधन मूल्यांकन उप समिति। इन उप समितियों का गठन निम्ननिम्नित होगा:—

#### (क) पर्यटन साहित्य मूल्यांकन उप समिति

(1) महानिवेशक, पर्यटन	प्रधार्थक
(2) संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
(3) अपर महानिवेशक, पर्यटन	सदस्य
(4) संयुक्त महानिवेशक, पर्यटन	सदस्य
(5) निवेशक, पर्यटन	सदस्य
(6) निवेशक, नागर विमानन	मदम्य
(7) निवेशक, भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंध संस्थान	सदस्य
(8) हिन्दी प्रधिकारी, पर्यटन विभाग	सदस्य
(9) हिन्दी मलाहकार समिति से एक मदस्य	मदस्य
10) परिष्ठ लिंगी प्रधिकारी, पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय	संयोजक

#### नागर विमानन माहित्य मूल्यांकन उप समिति

(1) संयुक्त सचिव, नागर विमानन	प्रधार्थक
(2) भयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	मदम्य
(3) महानिवेशक, नागर विमानन	मदस्य
(4) अध्यक्ष, भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमान-पत्रन प्राधिकरण	सदस्य
(5) प्रबंध निवेशक, शिवित एयरलाइन्स	मदम्य
(6) प्रबंध निवेशक, एयर इंडिया	सदस्य
(7) महाप्रबंधक, वायुवृत्त	सदम्य
(8) निवेशक, नागर विमानन	सदस्य
(9) हिन्दी मलाहकार समिति से एक सदस्य	सदस्य

#### (10) परिष्ठ लिंगी प्रधिकारी,

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

संयोजक

#### (ग) मौसम विज्ञान माहित्य मूल्यांकन उप समिति

(1) संयुक्त सचिव, नागर विमानन	प्रधार्थक
(2) संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
(3) महानिवेशक, मौसम विज्ञान	मदम्य
(4) अपर महानिवेशक, मौसम विज्ञान	सदस्य
(5) उप महानिवेशक, मौसम विज्ञान	सदस्य
(6) निवेशक, भारतीय खगोल भौतिकी मंस्थान	सदस्य
(7) निवेशक, भारतीय उत्तरवेशीय मौसम विज्ञान	सदस्य
(8) निवेशक, भारतीय भूज्ञावकल्प संस्थान	सदस्य
(9) निवेशक, भारतीय उद्योग विभाग	सदस्य
(10) हिन्दी मलाहकार समिति से एक सदरय	सदस्य
(11) परिष्ठ लिंगी प्रधिकारी, पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय	संयोजक

#### (घ) होटल उद्योग और प्रबंध माहित्य मूल्यांकन उप समिति

(1) महानिवेशक, पर्यटन	प्रधार्थक
(2) संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
(3) अपर महानिवेशक, पर्यटन	सदस्य
(4) संयुक्त महानिवेशक, पर्यटन	सदस्य
(5) निवेशक, पर्यटन	सदस्य
(6) निवेशक, नागर विमानन	सदस्य
(7) प्रबंध निवेशक, भारत पर्यटन विकास निगम	सदस्य
(8) प्रबंध निवेशक, भारतीय होटल निगम	सदस्य
(9) निवेशक, होटल प्रबंध, खाद्य शिल्प और पोषणाहार शिल्प विज्ञान संस्थान	सदम्य
(10) हिन्दी मलाहकार समिति से एक सदस्य	सदस्य
(11) परिष्ठ लिंगी प्रधिकारी, पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय	संयोजक

(2) उपर्युक्त मूल्यांकन उप समितियों के प्रेवेन सदस्य विशेष स्थितियों में मूल्यांकन समितियों में अपने प्रतिनिधि के रूप में कोई उपर्युक्त प्रधिकारी भेज सकेंगे।

(3) उपर्युक्त मूल्यांकन उप समितियों अपनी सहायता के लिए संबंधित विषयों के एक या अधिक विशेषज्ञों को सहयोगित कर सकेंगी।

(4) परिष्ठ मूल्यांकन समिति का कोई सदस्य उपर्युक्त योजना के अंतर्गत पुरस्कार के लिए प्रतिनिधि है तो जिस वय में अन्य पुस्तकों के साथ-साथ उसकी पुस्तक का भी मूल्यांकन किया जाना है, उस अवधि में उसे मूल्यांकन समिति की बैठकों में जागिल नहीं किया जाएगा।

(5) मूल्यांकन समिति के गैर-मरकारी सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। किसी मवस्य के पश्च छोड़ देने, मेवा-निवृत्त और जाने या मृत्यु हो जाने या किसी अन्य कारण के फलस्वरूप मूल्यांकन समिति में होने वाली खाली जगह पर्यटन और नागर विमानन मंत्री जी द्वारा नामित किए गए अधिकारी द्वारा भरी जाएगी।

(6) मूल्यांकन समिति के गैर-मरकारी सदस्य भारत गवर्नर द्वारा जारी किए गए और उस समय लागू नियमों के अन्वेषण वार्ता-भेता वैनिक-भूता, आदि पाने के अधिकारी होंगे।

(7) मूल्यांकन समिति द्वारा किए गए निर्णय मर्मी दूर्दियों से अंतिम और मात्र होंगे और उनके संबंध में किसी भी प्रधिकारी को अपील नहीं की जा सकेगी।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य शेषों और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस मकान के नाम जातकार के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बी० एन० शा, निदेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त १९८४

संकल्प

सं० हिन्दी/नमिति/८३/३८/५—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के ३-१०-८३ के समसंक्षेप संकल्प के अन्तर्गत क्रम सं० १३ और १४ पर संसदीय राज्यमान्त्रिय समिति के प्रतिनिधि के रूप में रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति में मनोनीन सदस्य सं० श्री योगेन्द्र शर्मा और गणपत लोगाल मण्डल भगत अब चंकि संसदीय

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 30th August 1984

No. 97-Pers/84.—The President is pleased to award the Bar to the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :

## Name and rank of the officer

Shri Uma Shanker Bajpai,  
Superintendent of Police,  
District Jalaun,  
Uttar Pradesh.

## Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 23rd May, 1981, Shri Ganga Singh, Station Officer, received information about the presence of Murand/Meera Thakur Gang in the jungles of village Lohai. The presence of the gang was ascertained in village Dharna, Police Station Kuthond. He took the Police party of Shri Gyan Swaroop Rastogi, Station Officer, Jalaun and reached the said village at 10.30 hrs. While these two officers were in the process of fixing the cordon to prevent the escape of any dacoit, the dacoits fired a volley of shots on them. They luckily escaped and successfully managed to plug the escape routes. Shri Ganga Singh passed on the information to Shri Uma Shanker Bajpai about this Gherabandi and requested him for reinforcement. Shri Bajpai immediately rushed to village Dharna with additional force and alerted other Station Officers on his way on R/T set to proceed to the scene of concurrence. He took command of the force and posted officers/men at strategic points.

Shri Bajpai challenged the dacoits to surrender but the dacoits kept on firing. He alongwith other Police Officers opened fire on the dacoits in self defence. He crawled further and took position behind a low mud wall from where they could effectively fire on dacoits. Shri Gyan Swaroop Rastogi alongwith other policemen was deputed to take position on the roof of the house of Onkar Singh from where effective fire could be put on dacoits on the first floor of Guttoo's house. The firing continued and ultimately one dacoit namely Eirje was killed after the sacrifice of one brave Constable Vishwanath Singh.

Shri Bajpai put further heavy pressure on the dacoit. He further crawled ahead and took position on the eastern side of Guttoo's house. He alongwith a Head Constable and a Constable climbed the roof of the house, made a hole in it and dropped four rifle grenades inside the house. Shri Bajpai came down and took position behind the low mud wall. He and his party continued heavy firing on the dacoits. The fierce battle lasted for about half an hour. All the re-

राजभाषा समिति के सदस्य नहीं रहे हैं, अतः रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति की उत्तरी सदस्यता भी समाप्त हो गई है।

उपर्युक्त संकल्प के अस्तर्गत ही क्रम सं० १० पर उल्लिखित सदस्या, श्रीमती शीता दुर्गाजी मार्ति, लखनऊ, विधायिका के रूप में निर्वाचित हो जाने पर, रेलवे हिन्दी सलाहकार नमिति की गैर पर्याप्त सदस्यता भी रही है।

## आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधानमंत्री कार्यालय, मन्त्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोकसभा नया राज्य समा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों नया विभागों को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सरकाराण्ण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

अजय जौहरी

सचिव, रेलवे बोर्ड

एवं परेन संयुक्त सचिव

maining four dacoits were liquidated. One more dacoit managed to change his position and took shelter in the house of Hari Babu. Shri Bajpai alongwith a few other members of the party took position just near the door of the room from where the dacoit was firing. Two rifle grenades were thrown in the house. The dacoit was heard screaming and he tried to escape through the back door. The Police party deployed near the door succeeded in liquidating the dacoit Dunga Kori. Thus the entire gang of Murand/Meera Thakur including the gang leader was liquidated.

In this encounter Shri Uma Shanker Bajpai, Supdt. of Police, exhibited conspicuous gallantry, courage, leadership and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 23rd May, 1981.

S. NILAKANTAN  
Deputy Secy to the President

## MINISTRY OF PLANNING

## DEPARTMENT OF STATISTICS

New Delhi-110001, the 22nd August 1984

No. M-13016/12/84-Coord.—The Government of India hereby reconstituted the Technical Advisory Committee on Statistics of Prices and Cost of Living with effect from the 1st February, 1984 with the following membership

## CHAIRMAN

1. Director General  
Central Statistical Organisation,  
Department of Statistics,  
Sardar Patel Bhawan, Sansad Marg,  
New Delhi-110 001.

## MEMBERS

2. Adviser,  
Employment Labour & Manpower Planning,  
Planning Commission, Yojana Bhawan,  
Room No. 208, Sansad Marg,  
New Delhi-110 001.
3. Economic & Statistical Adviser,  
Ministry of Agriculture & Irrigation,  
Room No. 152, Krishi Bhawan,  
New Delhi-110001.

4. Economic Adviser,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
Room No. 39, North Block,  
New Delhi-110 001.

5. Economic Adviser,  
Ministry of Industry,  
Room No. 244, Udyog Bhavan,  
New Delhi-110 001.

6. Adviser,  
Monetary Policy Development (MPD),  
Planning Commission, Yojana Bhavan,  
Sansad Marg,  
New Delhi-110 001.

7. Member-Secretary,  
Agricultural Prices Commission,  
Ministry of Agriculture & Irrigation,  
Dept. of Agriculture,  
Krishi Bhavan,  
New Delhi-110 001.

8. Chief Executive Officer,  
National Sample Survey Organisation,  
Department of Statistics,  
Sardar Patel Bhavan, Sansad Marg,  
New Delhi-110 001.

9. Director,  
Field Operations Division,  
National Sample Survey Organisation,  
Department of Statistics,  
West Block No. 8, R. K. Puram,  
New Delhi-110066.

10. Director,  
Survey Design & Research Division,  
National Sample Survey Organisation,  
25-A, Shakespeare Sarani,  
CALCUTTA-700 017.

11. Director,  
Labour Bureau,  
Ministry of Labour,  
'Clermont' SIMLA-171004.

12. Principal Adviser,  
Reserve Bank of India,  
Dept. of Statistical Analysis & Computer  
Services, Dr. Annie Besant Road,  
Post Box No. 16604, Worli,  
BOMBAY-400 018.

13. The Director,  
Dte. of Economic & Statistics,  
Government of Karnataka,  
Dr. B. R. Ambedkar Veedhi,  
BANGALORE-560 001.

14. Director,  
Dte. of Statistics & Evaluation,  
Government of Bihar,  
Barrack-17, Old Secretariat,  
6, Mangles Road,  
PATNA-800 015.

15. Economic Adviser,  
Economic & Statistical Organisation,  
Government of Punjab,  
Shop-cum-Flat 35 & 36,  
Sector-17,  
CHANDIGARH-160 017.

16. Prof. K. Krishnamurti,  
Institute of Economic Growth,  
University Enclave, Delhi University,  
DELHI-110 007.

17. Joint Director,  
(Incharge P.C.L. Division)  
Central Statistical Organisation,  
Department of Statistics, S. P. Bhavan,  
Sansad Marg,  
New Delhi-110 001.

MEMBER-SECRETARY

2. The representatives of the State Governments as also the academician will serve on the Committee for a period of two years with effect from 1st February 1984.

3. The functions of the reconstituted Committee will be as under :

- Examination of proposals for the conduct of Family Budget enquiries by Central Government, State Governments, or Union Territory Administrations;
- Examination of schemes prepared by the Central Government, State Governments or Union Territory Administrations for the construction of Consumer Price and Comparative Costliness Indices, and special problems connected therewith, including problems concerning all-India & State level indices;
- Improvement and standardization of the concepts, definitions, methods of price collection and compilation of consumer price and comparative costliness indices;
- Examination of schemes prepared by the Central Government, State Governments, or Union Territory Administrations, for the construction of wholesale, retail, producers' and other price indices, and special problems connected therewith including problems concerning all-India and State level indices;
- Improvement and standardization of the concepts, definitions, methods of price collection and compilation of wholesale, retail, producers' and other price indices, including methods of weighting appropriate for each type of indices;
- Review of organisational arrangements and the machinery for price collection with a view to rationalizing and developing an integrated system of collection, compilation and dissemination of price statistics.

4. Secretarial assistance to the Committee will be provided by the Central Statistical Organisation, Department of Statistics.

5. The expenditure of the non-officials on TA/DA for attending the meeting of the Technical Advisory Committee on Statistics of Prices and Cost of living will be met by the Department of Statistics according to the normal rules.

MUKUL ROY, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.

New Delhi, the 15th September 1984

CLERKS' GRADE EXAMINATION (FOR GROUP 'D'  
STAFF), 1984  
RULES

No. 9/2/84-CS.II.—The Rules for qualifying examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, New Delhi in 1984, for the purpose of filling temporary vacancies reserved for regularly appointed Group 'D' Staff in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, the Armed Forces Headquarters Clerical Service, Grade VI of the Indian Foreign Service Branch (B) and posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, are published for general information.

The candidates who are admitted to the examination will be eligible for vacancies :—

- (i) in the Central Secretariat Clerical Service, if they are working in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service;
- (ii) in the Armed Forces Headquarters Clerical Service; if they are employed in the Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisation;
- (iii) in Grade VI of the IFS (B), if they are employed in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad; and
- (iv) in posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the advertisement to be issued by the Commission.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix to these Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. Any permanent or regularly appointed temporary Group 'D' employee who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination :—

I. *Length of Service* : He should have rendered on 1st August, 1984, not less than 5 years of approved and continuous service as a Group 'D' employee or in any higher Grade in Ministries/Offices participating in (i) the Central Secretariat Clerical Service, or (ii) Armed Forces Headquarters and/or Inter-Services Organisations or (iii) in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad or (iv) posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs.

NOTE (1) The limit of 5 years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of the candidate is partly as a Group 'D' employee in any Ministry or Office participating in the Central Secretariat Clerical Service or in the Offices participating in the Armed Forces Headquarters Clerical Service and partly elsewhere in equivalent or higher grade or as Group 'D' employee in the Ministry of External Affairs and its Missions abroad or in posts of LDC in the Department of Parliamentary Affairs.

NOTE (2) Group 'D' employees who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. A Group 'D' employee who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and continues to have a lien on a Group 'D' post for the time being will also be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

II. *AGE* :—He should not be more than 50 years of age on 1st August, 1984, i.e. he must not have been born earlier than 2nd August, 1934.

The age limit prescribed above will be relaxable upto a maximum of 5 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.

III. *Educational Qualification*

Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Govt. of India as equivalent to matriculation certificate for entry into service.

NOTE (1) A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will not be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE (2) In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of Government justifies his admission to the Examination.

5. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination.
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
  - (b) to be debarred either permanently or for specified period;
  - (i) by the Commission from any examination selection held by them; and
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
  - (c) disciplinary action under appropriate rules.

8. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

9. After the examination, the Commission will recommend separately to each cadre authority concerned participating in the examination the names of candidates, who have attested the qualifying standard, which will be determined at the discretion of the Commission. The Cadre Authorities will take steps to appoint them against vacancies decided to be filled in accordance with the rules/regulations framed by them in this regard.

10. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

*Note:* In the case of the disabled ex-Defence Service Personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of an appointment.

11. All appointments on the results of this examination shall be subject to the condition that unless a candidate has already passed one of the periodical typewriting tests in English or Hindi held by the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission or Staff Selection Commission, he shall pass such a test at a minimum speed of 36 words in English or 25 words in Hindi per minute to be held by the authority designated by the Government for the purpose within a period of one year from the date of appointment, failing which no annual increment(s) shall be allowed to him until he has passed the said test.

If any candidate does not pass the said typewriting test within the period of probation, he is liable to be reverted to his substantive appointment or temporary post held by him before his appointment to Lower Division Grade.

*Note:*—A candidate appointed on the results of the examination who has already passed the typewriting test as prescribed above or who passes it within a period of 6 months from the date of his appointment will be granted the first increment after 6 months instead of one year's service. This will, however, be absorbed in the subsequent regular increment.

12. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it resigns his appointment as a Group 'D' employee or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on 'transfer' and does not have a lien on a Group 'D' post will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a Group 'D' employee who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

H. G. MANDAL, Under Secy.

## APPENDIX

The examination will be conducted according to the following Scheme:—

The subject of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows:—

Paper No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
I	Short Essay	100	1½ hours
II	General English	50	1 hour
III	General Knowledge (including Geography of India)	50	1 hour

2. The syllabus for the examination will be as shown in the Schedule to the Appendix.

3. The candidates are allowed the option to answer Paper I or Paper II or both either in Hindi (in Devanagari Script) or in English. Paper II must be answered in English by all candidates.

*Note 1:*—The option for Paper III will be for the complete paper and not for different questions in it.

*Note 2:*—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers of the examination in Hindi (in Devanagari Script) should indicate their intention to do so in their application. Otherwise it would be presumed that they would answer the paper in English.

*Note 3:*—The option once exercised will be final and no request for change of option will ordinarily be entertained.

*Note 4:*—No credit will be given for answers written in a language other than the one opted by the candidate.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction upto 5% of the maximum marks will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expressions combined with due economy of words in all subjects of the examination.

## SCHEDULE

### Syllabus

#### PAPER I : Short Essay :

An essay to be written on any one of the several specified subjects.

#### PAPER II : General English :

Candidates will be tested in simple composition, Applied Grammar and Elementary Tabulation (to test candidates' ability in the art of compiling, arranging and presenting data in a tabular form).

#### PAPER III : General Knowledge (including Geography of India) :

Knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their Scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of a scientific subject. The paper will include questions on Geography of India.

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF REVENUE)  
(INDIRECT TAXES DIVISION)  
New Delhi, the 15th September, 1984

PUBLIC NOTICE

No. DRAWBACK/PN-15/84—Under Rule 3 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 (Notification No. 52/F. No. 602/2/70-DBK published in the Gazette of India Extra-ordinary, dated 25th August, 1971) the Government hereby makes the following amendment in the Table published in the Public Notice No. Drawback/TN-12/84 after the 1st June, 1984.

For Serial No. 2634 and entries relating thereto the following shall be subs' tute—

Sub. Sl. No.	Description of goods	Rate of Drawback	Allocation	
			Cus.	C. Ex.
2634	Carbonised fabrics . . . . .	(i) Rs. 44.00 (Rupees forty four only) per kg. or the polyester fibre content.	2.20	41.50
<b>PLUS</b>				
		(ii) Re. 1.00 (Rupee one only) per kg. of export product where the product is predominantly yarn dyed/piece dyed/printed/mainly coloured.		All C. Ex.
<b>PLUS</b>				
		(iii) 104% (One hundred and four percent only) of the total excise duty paid (excluding handloom cess) per kg. of yarn utilised in the manufacture of grey fabrics from which carbonised fabrics have been manufactured.		All C. Ex.
<b>PLUS</b>				
		(iv) Other fibre(s) content :  Where the grey fabric (from which the carbonised fabric has been manufactured) contains fibre(s) other than cotton and polyester, such fibre(s) in the grey fabric shall be paid drawback at the appropriate rate as per the relevant sub-Serial No. of Serial No. 26 of the Drawback Schedule.		

For the purpose of payment of (iii) and (iv) above, the exporter shall produce evidence from an officer of Central Excise not below the rank of Supdt. of Central Excise in respect of :—

- (a) total fibre content (other than polyester and cotton fibre content) in the relevant grey fabrics; and
- (b) total quantity of spun and/or filament yarn (to be separately furnished) content in the relevant grey fabric.

NOTE: Drawback on account of spun yarn content shall be paid subject to the production of evidence to the satisfaction of the Assistant Collector concerned that appropriate Central Excise Duty paid on such yarn without protest by manufacturer of yarn.

This Public Notice shall be deemed to have come into force on 1st June, 1984.

J. GOPINATH, Under Secy.

F. NO. 600/2634/84-DBK (Part-II).

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPTT. OF STEEL)

New Delhi, the 18th August 1984

RESOLUTION

No. E. 11015|5|84-Hindi(.—It has been decided to include Dr. Ram Manohar Tripathi, 561, New Mill Road, Kurla, Bombay as member of the Ministry of Steel and Mines Hindi Sahakar Samiti constituted vide this Department's Resolution No. E. 11015|2|80-Hindi dated the 9th April, 1981 and No. F. 11015|5|84-Hindi dated 15th June, 1984.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues and all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in Gazette of India for general information.

A. K. AGARWAL, Jt. :

MINISTRY OF AGRICULTURE  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION

New Delhi, the 31st July 1984

No. 28-1A/84-LRC.—In partial modification of Government of India, Resolution No. 28-2/80-SC(T) dated the 26th February 1983 regarding setting up of the National Land Board and the National Land Resources Conservation and Development Commission, the following may be substituted for Para 3(I)(v) :—

Chairman, National Environmental Advisory Committee —Member

ORDER

ORDERED that a copy a copy of this Resolution be communicated to all concerned also that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. P. MUKERJI, Secy.

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th August 1984

No. E-11011|9|83-Hindi.—The Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation have decided to introduce a Scheme for giving awards to authors to encourage them to write original books in Hindi pertaining to the subjects coming within the purview of Ministry of Tourism and Civil Aviation. The main features of the Scheme are as follows :—

1. *Title of the Scheme :*

The Scheme will be known as Scheme for encouraging and promoting original writing of books in Hindi on subjects of Tourism, Civil Aviation, Meteorology and Hotel Industry and Management etc.

2. *Objectives :*

The four main subjects of this Ministry, viz. (1) Tourism, (2) Civil Aviation, (3) Meteorology, and (4) Hotel Industry & Management occupy a very important place in India. These subjects play a great role in improving the quality of life of the people and in the economy of the country. Courses of studies at graduate and higher levels in the said fields are being conducted in different Universities and Research/Training Institutes in the country. The main object of the Scheme is to encourage and promote the writing of original books in Hindi on the abovementioned subjects. The Scheme envisages presentation of annual awards to Authors of standard original books written in Hindi on the abovementioned four subjects.

It also envisages selection of suitable persons for special assignments for writing original books on specified topics.

3. *Amount of Awards :*

Two Cash awards each on the four main subjects to the Ministry, viz. (1) Tourism, (2) Civil Aviation, (3) Meteorology and (4) Hotel Industry and Management will be given annually. The amount of awards under the Award Scheme for writing original books in Hindi on the abovementioned four subjects will be as follows :—

- (1) First Award—Rs. 5,000/-
- (2) Second Award—Rs. 3,000/-

The Authors of original books in Hindi on the four subjects mentioned above will be given awards by the Government of India on the books adjudged best in order of merit by an Evaluation Committee constituted in accordance with para 5 below.

(2) Besides this the Ministry of Tourism and Civil Aviation, if it so desires may entrust, in consultation with the Evaluation Committee, the writing of original books in Hindi on all the abovementioned four subjects to the eminent persons and in that case remuneration not exceeding the amount of First Award, i.e. Rs. 5,000/- as approved by the Evaluation Committee may be paid for such assignments.

4. *Salient features of the Scheme :*

(1) The aforesaid Award Scheme for writing original literature books in Hindi will be administered by the Ministry of Tourism and Civil Aviation. This Scheme will be effective in the year 1984, and the awards will be given in each calendar year.

(2) The books submitted during a calendar year will be considered by the Evaluation Committee constituted (as in para 5) by the Ministry of Tourism and Civil Aviation for purposes of awards under this Scheme.

(3) Only high standard books on the above subjects written originally in Hindi will be considered for giving awards. These may be in the form of published books or in the form of manuscripts.

(4) The copyright of books/manuscripts approved for Awards will remain with their authors.

(5) No author will be given more than one Awards in a calendar year.

(6) In case the books/manuscripts selected for Award have more than one author, the amount of the award will be distributed equally among the co-authors.

(7) Each book/manuscript submitted for consideration by the Evaluation Committee will invariably be accompanied by the prescribed entry form duly filled in and signed by the author and will be submitted to the Ministry by the due date prescribed by it.

(8) For giving special assignments for getting original books/literature written in Hindi on the above subjects the Ministry will enter into a contract with the author so as to ensure that the work is completed within the agreed time-schedule. The time-limit once prescribed shall not be extended barring in exceptional circumstances. In case the work is not of appropriate standard, the Ministry shall have the right to revoke the contract unilaterally and no claim against such revocation shall lie.

(9) Where special assignment is given to an author for getting original books written in Hindi on the above subjects, the Evaluation Committee may allow the author to have the book published after it has assessed and approved the manuscript and in case the book is to be published by the Ministry with the consent of the author, the copyright will be with the Ministry and the minimum number of copies of the book to be purchased by the Ministry will be determined by the Evaluation Committee.

(10) The Ministry will invite applications from the author for giving the aforesaid awards by issuing notice in leading newspapers of English and Hindi. The Ministry at its own may include any books considered appropriate for consideration of award.

(11) If any original book included in this Award Scheme has already been awarded a prize under any other Scheme, a specific mention should be made by the author in this regard in his Application Form sent to the Ministry.

(12) Any author may send more than one book/manuscripts for the award. However, no author will be entitled to more than one award under this Scheme in a calendar year.

(13) In case no book/manuscript is found suitable for award (awards), the award (awards) will be withheld by this Ministry.

(14) The awards will be given at a special function to be organized by the Ministry or at any other suitable occasion.

5. *Evaluation Committee :*

There will be an Evaluation Committee under the Ministry of Tourism and Civil Aviation to select and evaluate the best books/manuscripts on the technical subjects relating to this Ministry, viz : (1) Tourism, (2) Civil Aviation, (3) Meteorology, and (4) Hotel Industry and Management for granting awards under this Scheme. This Committee will function as separate Sub-Committees for the aforesaid four subjects, i.e. (a) Tourism Literature Evaluation Sub-Committee, (b) Civil Aviation Literature Evaluation Sub-Committee, (c) Meteorology Literature Evaluation Sub-Committee and (d) Hotel Industry and Management Literature Evaluation Sub-Committee. The composition of these Sub-Committees will be as follows :—

(a) *Tourism Literature Evaluation Sub-Committee :*

Chairman

(1) Director General, Tourism

*Members*

- (2) Joint Secretary, Department of Official Language
- (3) Addl. Director General, Tourism
- (4) Joint Director General, Tourism
- (5) Director, Tourism
- (6) Director, Civil Aviation
- (7) Director, Indian Institute of Tourism and Travel Management
- (8) Hindi Officer, Department of Tourism
- (9) One Member from Hindi Sahakar Samiti

*Convener*

- (10) Senior Hindi Officer, Ministry of Tourism and Civil Aviation

(b) *Civil Aviation Literature Evaluation Sub-Committee :**Chairman*

- (1) Joint Secretary, Civil Aviation

*Members*

- (2) Joint Secretary, Department of Official Language
- (3) Director General, Civil Aviation
- (4) Chairman, International Airports Authority of India
- (5) Managing Director, Indian Airlines
- (6) Managing Director, Air-India
- (7) General Manager, Vayudoot
- (8) Director, Civil Aviation
- (9) One Member from Hindi Sahakar Samiti

*Convener*

- (10) Senior Hindi Officer, Ministry of Tourism and Civil Aviation

(c) *Meteorology Literature Evaluation Sub-Committee :**Chairman*

- (1) Joint Secretary, Civil Aviation

*Members*

- (2) Joint Secretary, Department of Official Language
- (3) Director General of Meteorology
- (4) Addl. Director General of Meteorology
- (5) Deputy Director General of Meteorology
- (6) Director, Indian Institute of Astrophysics
- (7) Director, Indian Institute of Tropical Meteorology
- (8) Director, Indian Institute of Geomagnetism
- (9) Director, Civil Aviation

- (10) One Member from Hindi Sahakar Samiti

*Convener*

- (11) Senior Hindi Officer, Ministry of Tourism and Civil Aviation

(d) *Hotel Industry and Management Literature Evaluation Sub-Committee :**Chairman*

- (1) Director General, Tourism

*Members*

- (2) Joint Secretary, Department of Official Language
- (3) Additional Director General, Tourism
- (4) Joint Director General, Tourism
- (5) Director, Tourism
- (6) Director, Civil Aviation
- (7) Managing Director, India Tourism Development Corporation
- (8) Managing Director, Hotel Corporation of India
- (9) Director, Institute of Hotel Management, Catering Technology and Applied Nutrition
- (10) One Member from Hindi Sahakar Samiti
- (11) Hindi Officer, Deptt. of Tourism.

*Convener*

- (12) Senior Hindi Officer, Ministry of Tourism and Civil Aviation.

(2) Ex-Officio Members of the abovementioned Evaluation Sub-Committees may in special circumstances depute a suitable Officer to represent them on the Evaluation Committees.

(3) The abovementioned Evaluation Sub-Committees may coopt one or more Experts/Specialists in the relevant subjects to assist them.

(4) In case a member of the Evaluation Committee happens to be a contestant for award under the Scheme he will not be associated with the meetings of the Committee for that year in which his book is to be assessed alongwith others.

(5) The tenure of the non-Official members of the Evaluation Committee will be for a period of 3 years. In case of any vacancy arising on the Evaluation Committee due to resignation, retirement or death of any member or otherwise, it will be filled in by a person nominated by the Minister of Tourism and Civil Aviation.

(6) The non-Official Members of the Evaluation Committee will be entitled to Travelling Allowance/Daily Allowance as admissible under the Rules in force issued by the Government of India.

(7) The decision taken by the Evaluation Committee shall be final and binding in all respects and no appeal thereon shall lie to any authority.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be sent to all State Governments/Union Territories and Ministries/Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. N. JHA, Directo

MINISTRY OF RAILWAYS  
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the August 1984

## RESOLUTION

No. Hindi/Samit/83/38/5.— Since S/Shri Yogendra Sharma and Ganpat Hiralal Bhagat nominated in Railway Hindi Sahakar Samiti as representatives of Parliamentary Committee on Official Languages vide S. No. 13 & 14 of Ministry of Railways (Railway Board's) Resolution of even number dated 3-10-83 cease to be the members of Parliamentary Committee on Official Languages, they also cease to be the members of Railway Hindi Sahakar Samiti.

Also Smt. Veena Duggal, 51/2 Shivaji Murg, Lucknow, nominated as non-official member of Railway Hindi Sahakar Samiti vide S. No. 19 of the Resolution referred to above ceases to be a member of Railway Hindi Sahakar Samiti consequent upon her having been elected as a legislator.

## ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to the Prime Minister's office, Cabinet Secrt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Secrt., and Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

AJAY JOHRI  
Secretary, Railway Board &  
*Ex-officio* Lt. Secy.

